16. उपसर्ग और प्रत्यय

हिंदी भाषा में नए-नए शब्दों की रचना होती रहती है। शब्द-रचना की इस प्रक्रिया में कुछ शब्दांशों को किसी शब्द के आरंभ या अंत में जोड़कर नए शब्दों की रचना की जाती है। आरंभ में जुड़ने वाले शब्दांश उपसर्ग तथा अंत में जुड़ने वाले शब्दांश प्रत्यय कहलाते हैं। शब्दों के माध्यम से भाषा पुष्ट और समृद्ध बनती है।

शिक्षण-संकेत

- ❖ छात्रों से पूछें, वे उपसर्ग और प्रत्यय के बारे में कितना जानते हैं।
- ❖ पृष्ठ 117 पर दिए बातचीत के वाक्यों में आए रंगीन शब्दों की ओर छात्रों का ध्यान दिलाएँ। बताएँ, वे शब्द किस प्रकार बने हैं।
- ❖ समझाएँ, कुछ शब्दांश शब्दों के आगे जुड़कर एक नया शब्द बनाते हैं। उन शब्दांशों को उपसर्ग कहते हैं। बताएँ, प्रत्येक उपसर्ग का अर्थ होता है।
- ❖ उपसर्ग के संबंध में बताएँ, कि प्रत्येक उपसर्ग का एक अर्थ होता है तथा उपसर्ग स्वतंत्र रूप में नहीं प्रयोग होते हैं।
- ❖ पृष्ठ 118-120 पर दिए विभिन्न प्रकार के उपसर्ग युक्त शब्द छात्रों से पढ़वाएँ।
- ❖ कुछ शब्दांश शब्दों के पीछे जुड़कर उनके अर्थ में परिवर्तन लाते हैं, वे प्रत्यय कहलाते हैं। बताएँ, प्रत्ययों का कोई अर्थ नहीं होता।
- ❖ पृष्ठ 120 पर दिए वाक्यों को पढ़वाएँ तथा उनमें आए रंगीन शब्दों की ओर ध्यान दिलाएँ।
- ❖ प्रत्यय के भेदों को सविस्तार समझाएँ।
- ❖ पृष्ठ 121-126 पर दिए प्रत्यय युक्त शब्दों को पढ़वाएँ तथा प्रत्यय युक्त शब्दों के अर्थ भी बताएँ।
- ❖ बताएँ, कुछ शब्दों में उपसर्ग और प्रत्यय दोनों का प्रयोग होता है।
- ❖ सुनिश्चित कर लें छात्र भली प्रकार उपसर्ग-प्रत्यय समझ गए हैं।
- ❖ अभ्यास करवाएँ तथा जाँचें।